



आपदा समाचार



उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (UP SDMA)

SPECIAL EDITION

NOV 2025

वात द्विपर विशेषांक

सुरक्षित बचपन, सशक्त भविष्य

हर बच्चे में छुपा है सुरक्षा का संदेश





लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी

पी.वी.एस.एम., ए.वी.एस.एम., वी.एस.एम., (से.नि.)

Lt Gen Yogendra Dimri

PVSM, AVSM, VSM (Retd)

उपाध्यक्ष/Vice Chairperson



**उ.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
U.P. State Disaster Management Authority**

बी-1 ब्लॉक, प्रथम तल, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ-226010

B-1 Block, First Floor, PICUP Bhawan, Vibhuti Khand,
Gomtinagar, Lucknow-226010

संदेश

प्रिय पाठकों,

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बच्चों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि बचपन से आपदा प्रबंधन के लिए बच्चों में जागरूकता, आपदा से सुरक्षा के प्रति समझ और व्यवहार की आदतें विकसित की जायें, तो हमारे बच्चें न केवल स्वयं सुरक्षित रहेंगे बल्कि अपने विद्यालय, परिवार और समुदाय को भी सुरक्षित रखने में सक्षम बनेंगे।

प्राधिकरण द्वारा बाल दिवस के इस विशेष अवसर पर हम अपने देश के भविष्य – हमारे बच्चों को समर्पित यह विशेषांक प्रस्तुत करते हुए अत्यधिक गर्व और हर्ष का अनुभव कर रहे हैं। इस बाल दिवस विशेषांक का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण की जानकारी एवं समझ विकसित करना है। कहानियों, चित्रों, खेलों और गतिविधियों के जरिये हम उन्हें सिखा सकते हैं कि किसी भी आपदा के समय में क्या करना है और कैसे अपने आस-पास के लोगों की मदद करनी चाहिए है।

हमारा उद्देश्य है –

- * बच्चों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण की जानकारी, समझ और व्यवहारिक क्षमता विकसित करना।
- * बाल मित्र सामग्री के माध्यम से आपदा प्रबंधन गतिविधियाँ सीखने को आनंददायक बनाना।
- * विद्यालयों को आपदा सुरक्षित परिसर बनाने में बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
- * परिवार और समुदाय स्तर पर बाल सुरक्षा के संदेश को फैलाना।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(उपाध्यक्ष),

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

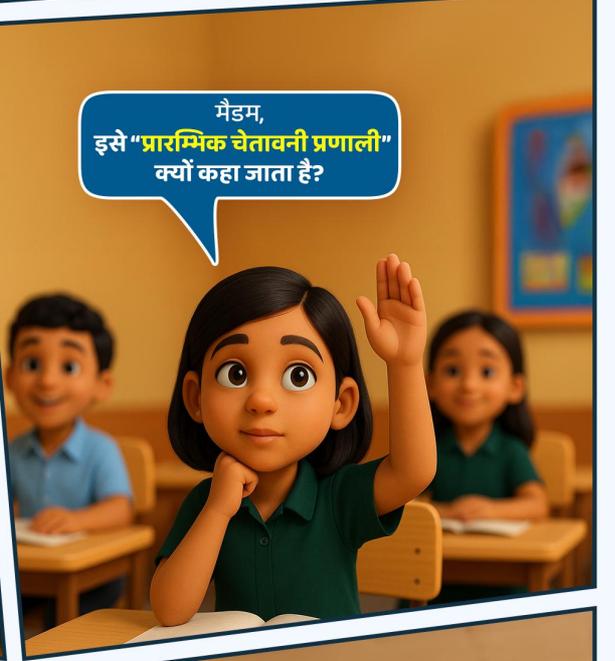
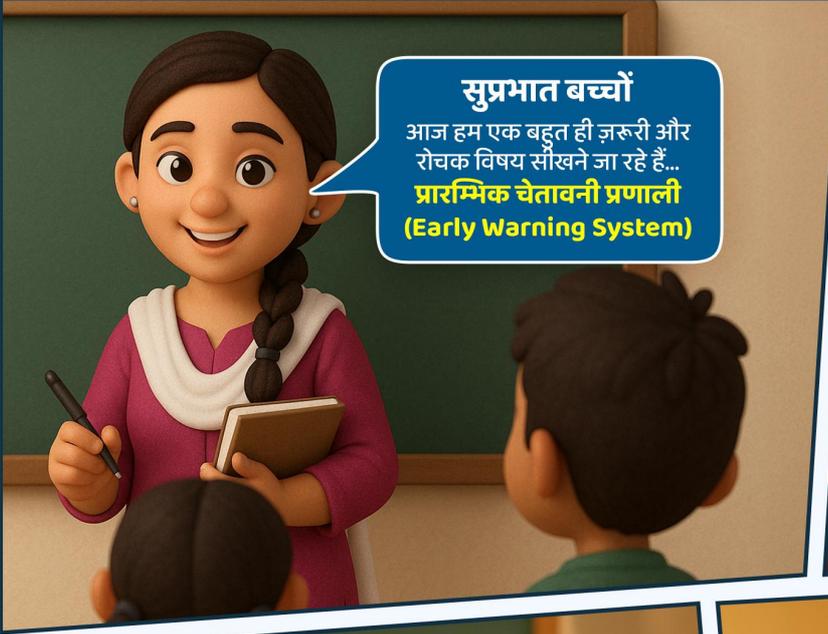
Editor

Dr. Kaneez Fatima
Project Director (Drought), UP SDMA

Technical Support

Mr. Prashant Kumar
Project Associate, UP SDMA

प्रारम्भिक चेतावनी प्रणाली



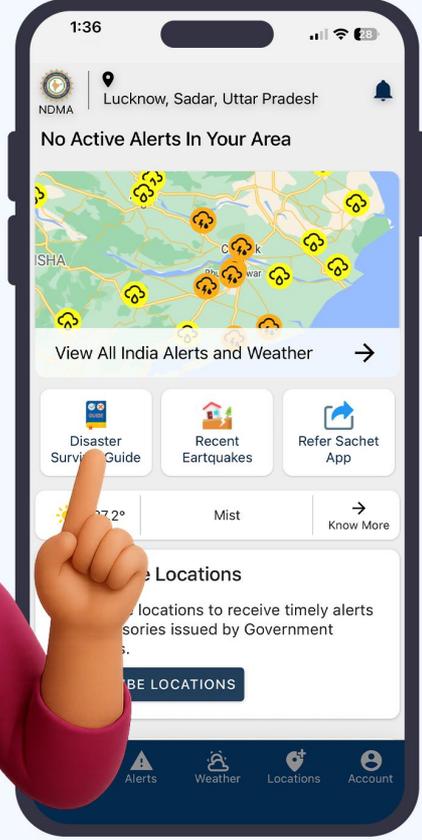
प्रारम्भिक चेतावनी प्रणाली



SACHET

SACHET भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक अर्ली वार्निंग (Early Warning) प्लैटफॉर्म है।

इसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा तैयार कराया गया है।



बहुत अच्छा प्रश्न!
क्योंकि यह प्रणाली जीवन और संपत्ति की रक्षा करती है।
अगर लोगों को पहले से चेतावनी मिल जाए तो –

मैडम,
जब मौसम तो बदलता ही रहता है, फिर ये प्रणाली इतनी ज़रूरी क्यों है?

- वे समय पर सुरक्षित स्थान पर जा सकते हैं।
- सरकार राहत कार्य पहले से शुरू कर सकती है।
- इस तरह यह प्रणाली आपदाओं से होने वाले नुकसान को बहुत कम करती है।

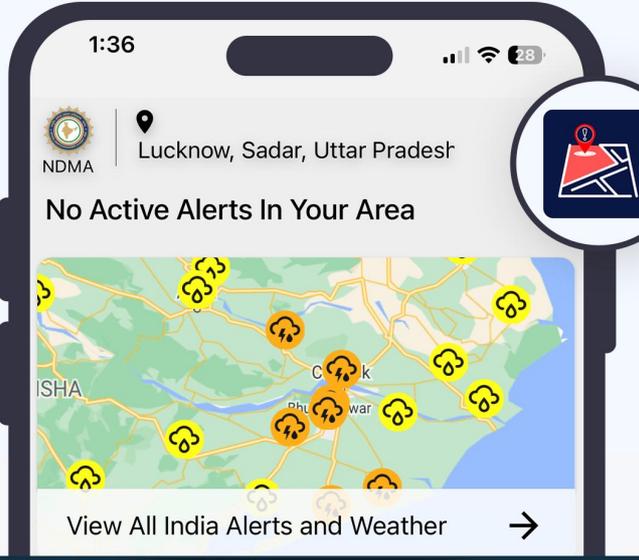
SACHET (सचेत)





सचेत ऐप

यह भारत सरकार के
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा बनाया गया ऐप है।



इसका उद्देश्य है,
लोगों को समय रहते मौसम और विभिन्न आपदाओं
जैसे- बाढ़, तूफान, भारी वर्षा इत्यादि की जानकारी देना
ताकि वे सुरक्षित रह सकें।





SACHET APP

मैडम, सचेत ऐप का
मुख्य उद्देश्य क्या है ?

SACHET (सचेत)

सचेत ऐप का उद्देश्य है कि आपदा की जानकारी समय पर और सीधे जनता तक पहुँचे। यह ऐप मोबाइल पर **रीयल टाइम चेतावनी** भेजता है



चक्रवात



भारी वर्षा



बिजली गिरने की संभावना

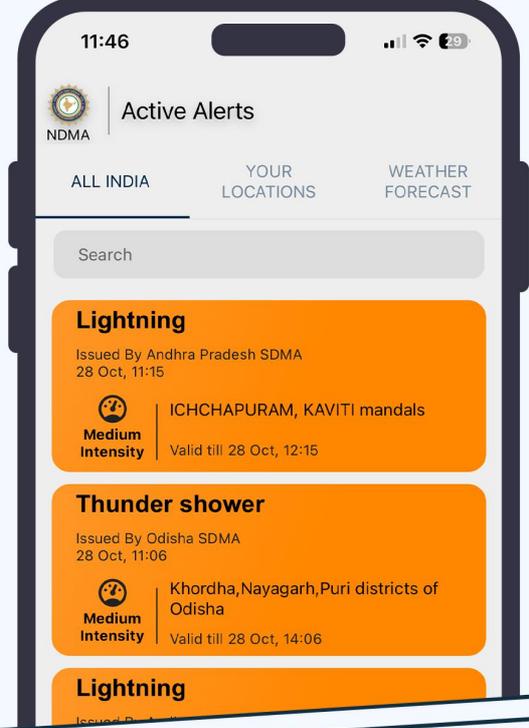


गर्मी की लहर



बाढ़ या सुनामी जैसी घटनाएँ

इसकी सुविधा वेबसाइट और ऐप दोनों में मिलती है, जिससे सभी को फायदा हो।



सचेत ऐप कैसे काम करता है?

- * यह सीधे IMD (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT) और ISRO के सैटेलाइट डेटा से जुड़ा होता है।
- * जब भी किसी क्षेत्र में भारी बारिश, चक्रवात, भूकंप, या हीटवेव जैसी स्थिति बनती है, तो ऐप तुरंत
 - लाल (RED),
 - नारंगी (ORANGE) या
 - पीला (YELLOW) रंग का चेतावनी संदेश भेजता है।
- * इसमें एक मैप (मानचित्र) भी होता है, जहाँ आप अपने आसपास का मौसम अलर्ट देख सकते हैं।
- * अलर्ट आने पर एक बीप या नोटिफिकेशन मिलता है, ताकि आप तुरंत सतर्क हो सकें।



SACHET (सचेत)

मैडम, ऐप से अपडेट कैसे मिलता है?

ऐप हर कुछ घंटों में मौसम अपडेट प्राप्त करता है।

जैसे ही नया अलर्ट जारी होता है, यह आपके मोबाइल पर तुरंत संदेश या पॉप-अप भेज देता है।

अगर आपका नेटवर्क बंद हो, तो कनेक्शन लौटने पर सभी अलर्ट एक साथ दिख जाते हैं।

मैडम, इसे कैसे डाउनलोड करें?



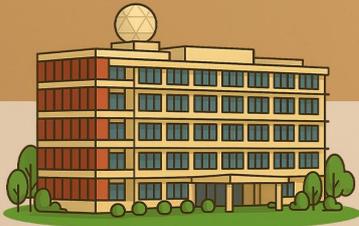
* **GOOGLE PLAY STORE** या **APPLE APP STORE** में **"SACHET APP"** लिखकर सर्च करें।

* ऐप डाउनलोड करने के बाद अपना राज्य, ज़िला और भाषा चुनें।

* अब आपको अपने क्षेत्र की रियल टाइम चेतावनियाँ (**REAL-TIME ALERTS**) मिलने लगेंगी।

IMD

India Meteorological Department भारत मौसम विज्ञान विभाग



यह भारत की राष्ट्रीय मौसम सेवा है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करती है। IMD का मुख्यालय नई दिल्ली में है।



IMD के मुख्य काम :



मौसम से जुड़ी जानकारी एकत्र कर उसका पूर्वानुमान देना।



तूफान, लू, और भारी बारिश जैसी गंभीर मौसम स्थितियों की चेतावनी जारी करना।



कृषि, हवाई सेवाओं और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों को मौसम से जुड़ी जानकारी देना।

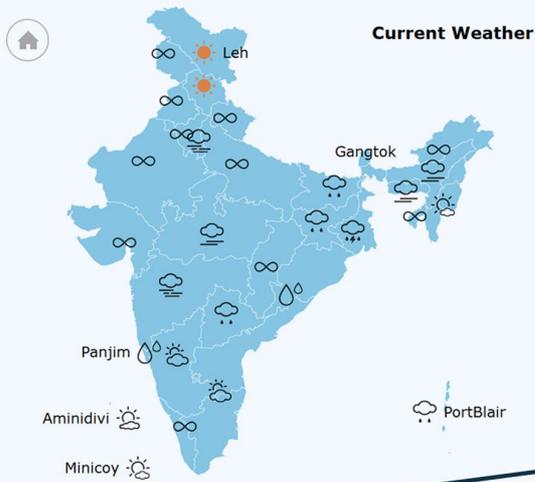
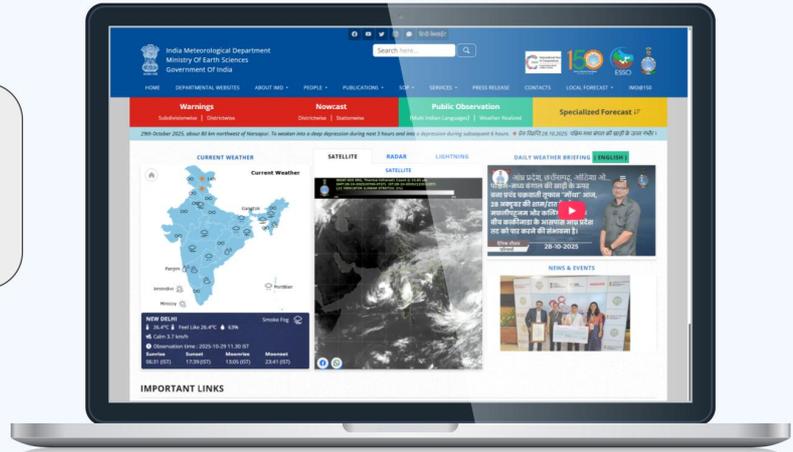
इन सबकी जानकारी **वेबसाइट** और **मौसम ऐप** दोनों में मिलती है, जिससे सभी को फायदा हो।



वेबसाइट से मौसम चेतावनी कैसे देखें?

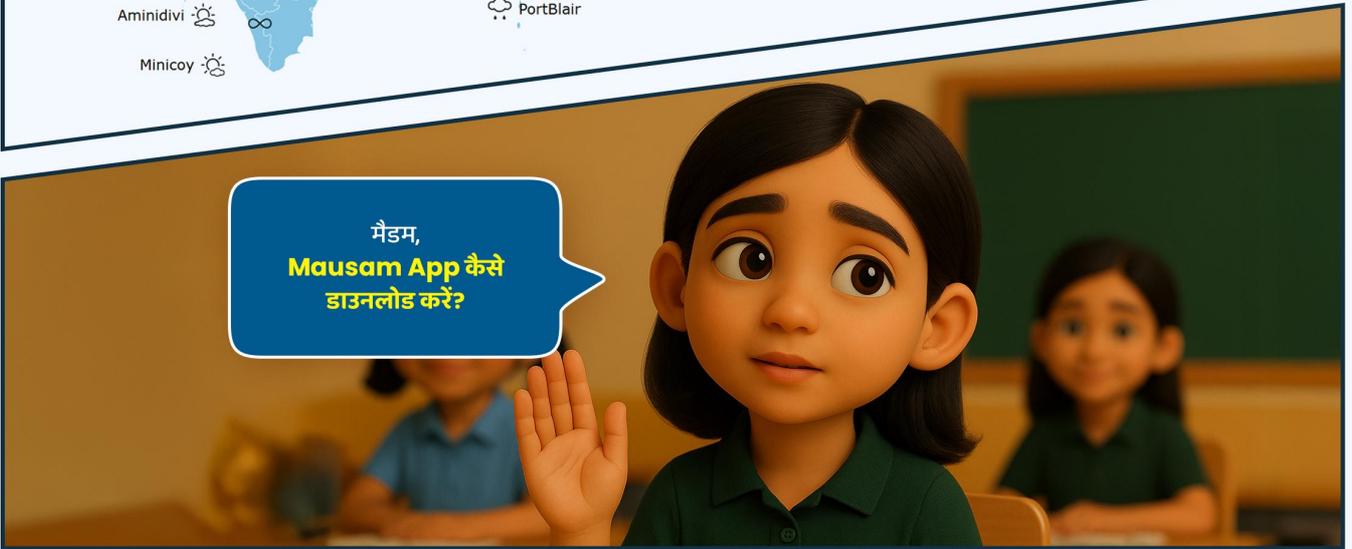
अपने कंप्यूटर के ब्राउज़र में <https://mausam.imd.gov.in> सर्च करें, जहाँ तुम मौसम की चेतावनी देख सकते हो।

“Warnings” या “All India Weather Warning” सेक्शन पर क्लिक करें।



यहाँ पर पूरे भारत का नक्शा दिखाई देगा – आप चाहें तो अपने राज्य या ज़िले का नाम चुनकर स्थानीय मौसम चेतावनी भी देख सकते हैं।

मैडम,
Mausam App कैसे
डाउनलोड करें?



IMD



- * इसे Google Play Store और App Store दोनों पर मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है।
- * यह आपके शहर का **तापमान**, **आर्द्रता (Humidity)**, **हवा की गति**, **बारिश की संभावना** और अगले 7 दिनों का पूर्वानुमान (Forecast) दिखाता है।
- * जब भी कोई गंभीर मौसम चेतावनी आपके क्षेत्र में जारी होती है, यह ऐप नोटिफिकेशन के माध्यम से आपको तुरंत सूचित करता है।



ग्रीन (Green)
कोई खतरा नहीं

मतलब: सब कुछ सामान्य है, कोई विशेष चेतावनी नहीं।

उदाहरण: हल्की बारिश या सामान्य मौसम।



येलो (Yellow)
सतर्क रहें

मतलब: मौसम में बदलाव या हल्की-सी गंभीर स्थिति की संभावना।

उदाहरण: गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश, तेज हवाएँ, हल्की सर्दी/ गर्मी की लहर आदि।



ऑरेंज (Orange)
तैयार रहें

मतलब: मौसम की स्थिति गंभीर हो सकती है और नुकसान की संभावना है।

उदाहरण: भारी बारिश, तेज़ आंधी, गंभीर गर्मी की लहर, या साइक्लोन का असर।



रेड (Red)
कार्रवाई करें

मतलब: बहुत गंभीर या खतरनाक मौसम की स्थिति – जान-माल का खतरा।

उदाहरण: तेज आंधी/तूफान भारी बारिश, गंभीर चक्रवात, बाढ़, या लू।

: हाँ रिया!
बहुत अच्छा प्रश्न किया,
चलो इसे ध्यान से सभी समझते हैं



LIGHTNING (वज्रपात/आकाशीय बिजली)



कैसे मिलती है चेतावनी ?

- * मौसम ऐप और सचेत ऐप पर बिजली गिरने की चेतावनी मिलती है।
- * मोबाइल पर अलर्ट आता है – जैसे “आपके क्षेत्र में अगले 2 -3 घंटे में बिजली गिरने की संभावना है, सावधान रहें।”
- * “जब भी आकाश में काले बादल, गरज और तेज़ चमक दिखे तो तुरंत सुरक्षित जगह पर चले जाएँ।”



LIGHTNING (वज्रपात/आकाशीय बिजली)



यदि खुले स्थान पर हो तो :

- * नदी, तालाब, पानी के स्रोत, खेत के समीप हों तो तुरंत किसी पक्की इमारत में शरण लें।
- * ऊँची जगह या पेड़, जल स्रोत से दूर रहना चाहिए क्योंकि यहाँ बिजली गिरने की ज्यादा संभावना रहती है।

समूह में हों तो दूरी बनाएँ :

- * एक-दूसरे से कम से कम 3-4 मीटर की दूरी रखें ताकि बिजली गिरने पर असर कम हो।

घर में हों तो :

- * सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (टीवी, कंप्यूटर, वॉशिंग मशीन आदि) के प्लग निकाल दें।

याद रखें :

- * बिजली गिरते समय सुरक्षित जगह है – घर, स्कूल, या पक्की इमारत।
- * कभी भी पेड़, बिजली के खंभे या खुले मैदान के नीचे शरण न लें।
- * अगर चेतावनी मिले तो बाहर के काम रोक दें और तुरंत अंदर चले जाएँ।



DROWNING (डूबने की घटना)



बच्चों, अब हम एक और बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बात करेंगे
डूबने की घटनाएँ
(Drowning Incidents)



मैडम,
क्या ये ज़्यादातर बाढ़ में
होता है?

बाढ़ के समय तो होता ही है, लेकिन इसके अलावा भी
लोग नदियों, तालाबों, पोखरों और झीलों में डूब जाते हैं
— खासकर बच्चे और किशोर।

नदियां तालाब झील

कैसे होती हैं डूबने की घटनाएँ?

- * कई बार छोटे बच्चे खेलते-खेलते नदी या तालाब के किनारे चले जाते हैं और फिसलकर पानी में गिर जाते हैं।
- * कुछ किशोर और युवा सेल्फी या वीडियो बनाने के लिए नदियों, बाँधों या झीलों के किनारे चले जाते हैं और असंतुलित होकर पानी में गिर जाते हैं।
- * अगर तैरना नहीं आता है तो किसी भी गहरे जलस्रोत के नजदीक न जाएं।
- * बारिश के बाद नाले, गड्ढे या खेतों के भरे पानी में गहराई का पता नहीं लग पाता है, जो देखने में छोटा लगता है लेकिन बहुत जोखिम भरा होता है।

DROWNING (डूबने की घटना)

क्या करें और क्या न करें:

क्या करें

- * हमेशा माता-पिता या बड़ों की निगरानी में ही पानी के पास जाएँ।
- * यदि कोई व्यक्ति पानी में गिर जाए, तो खुद न कूदें – किसी वयस्क को तुरंत बुलाएँ या लकड़ी, रस्सी, कपड़ा फेंककर मदद करें।
- * तैरना सीखें, लेकिन केवल सुरक्षित जगह और प्रशिक्षक की देखरेख में।

क्या न करें

- * सेल्फी या वीडियो पानी के पास या नदी किनारे न लें।
- * बाढ़ या तेज़ बहाव वाले पानी में कभी न उतरें।
- * तालाब या झील के गहरे हिस्से में न जाएँ – वहाँ की मिट्टी फिसलन भरी हो सकती है।



COLD WAVE (शीतलहर)



शीत लहर के समय क्या समस्याएँ होती हैं?

- * बहुत ठंड के कारण सर्दी-जुकाम, बुखार या निमोनिया हो सकता है।
- * खुले में सोने या बिना गर्म कपड़ों के बाहर जाने से बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है।
- * बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को ज़्यादा ध्यान रखना पड़ता है।



COLD WAVE (शीतलहर)

शीत लहर के दौरान क्या करें और क्या न करें:

क्या करें

- * शरीर को सिर से पैर तक ढकें – स्वेटर, जैकेट, टोपी, मोज़े, दस्ताने और स्कार्फ़ जरूर पहनें।
- * खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें ताकि ठंडी हवा अंदर न आए।
- * अगर हीटर या अंगीठी का प्रयोग करें, तो उचित वेंटिलेशन रखें ताकि दम घुटने का खतरा न हो।
- * सूप, चाय, कॉफी और गर्म पानी पीते रहें ताकि शरीर का तापमान बना रहे।
- * बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों का ध्यान रखें, यह ठंड के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, इन्हें पर्याप्त गर्मी और देखभाल दें।
- * सुबह-सुबह और देर शाम बाहर निकलने से बचें, जब तापमान सबसे कम होता है।
- * जरूरतमंदों की मदद करें गरीब, बेघर या सड़क किनारे रह रहे लोगों को गर्म कपड़े और कंबल दें।

क्या न करें

- * ठंडी सतह पर बैठें या सोएँ नहीं।
- * बिना वेंटिलेशन के कोयले की अंगीठी या गैस हीटर का उपयोग न करें इससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बन सकती है, जो घातक है।
- * शरीर के खुले हिस्से (हाथ, कान, पैर) खुले न छोड़ें इससे ठंड लगने और फ्रॉस्टबाइट (Frostbite) का खतरा होता है।



याद रखो बच्चों
"ठंड आए तो डरना नहीं,
गर्म कपड़ों से खुद को ढकना है!"



Fire Accident (अग्निदुर्घटना)

अच्छा! तो बताओ,
आग कैसे लग जाती है?

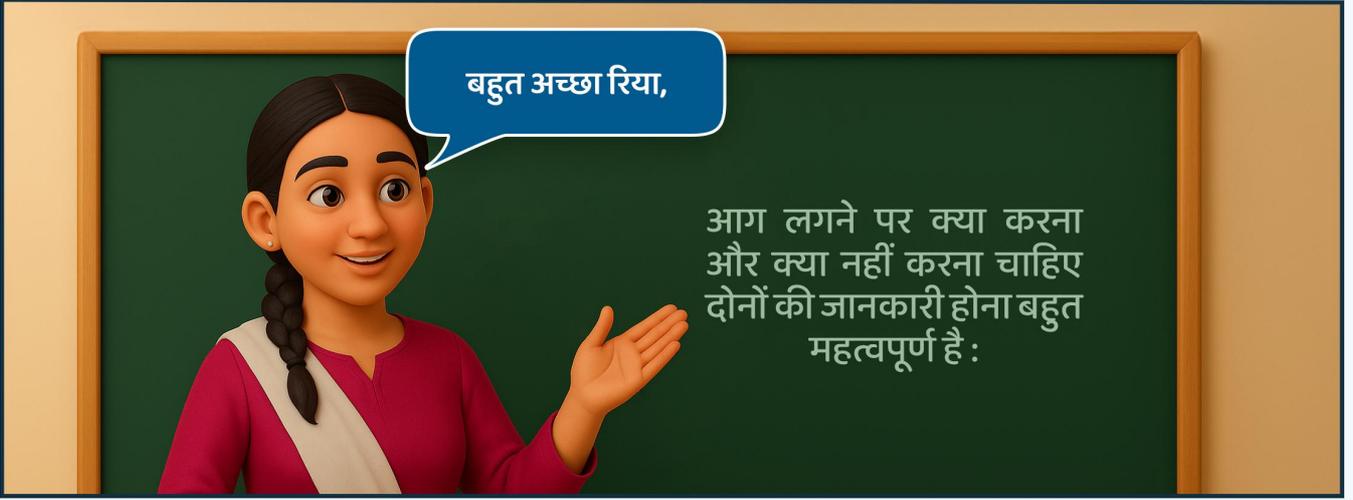
मैंम घर में आग ज़्यादातर **गैस लीक होने, बिजली के शॉर्ट सर्किट या माचिस और मोमबत्ती** से लगती है। कभी-कभी बच्चे खेल-खेल में माचिस जलाते हैं, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है।



बिल्कुल सही
कहा तुमने

मैडम, अगर आग लग जाये तो
हमे क्या करना चाहिए

Fire Accident (अग्निदुर्घटना)



क्या करें

- * तुरंत अलार्म या मदद के लिए आवाज़ लगाएँ "आग लगी है!" चिल्लाएँ ताकि आसपास के लोग सचेत हो जाएँ।
- * बिजली का मुख्य स्विच बंद करें अगर सुरक्षित हो, तो बिजली का कनेक्शन बंद करें ताकि शॉर्ट सर्किट से और आग न फैले।
- * तुरंत फायर ब्रिगेड (101), आपातकालीन नंबर 112 या स्थानीय फायर स्टेशन को कॉल करें।
- * धुआँ होने पर नीचे झुककर चलें : धुआँ ऊपर जाता है, इसलिए नीचे झुककर चलने से साँस लेने में आसानी होती है।
- * अगर कपड़ों में आग लग जाए: रुकें (Stop), लेंटें (Drop), और लोटें (Roll) – ज़मीन पर लोटने से आग बुझ जाती है।
- * छोटी आग पर तुरंत काबू पाने की कोशिश करें आग पर रेत, मिट्टी या अग्निशामक यंत्र (Fire Extinguisher) का प्रयोग करें।

क्या न करें

- * घबराएँ नहीं और दौड़ें नहीं : इससे अफरा-तफरी और चोट का खतरा बढ़ता है।
- * लिफ्ट का उपयोग न करें : आग लगने पर लिफ्ट फँस सकती है या धुएँ से भर सकती है।
- * विद्युत उपकरणों या तारों पर पानी न डालें: इससे बिजली का झटका लग सकता है।
- * गैस लीक की स्थिति में माचिस या लाइटर न जलाएँ : गैस विस्फोट हो सकता है।
- * भीड़ न लगाएँ और रास्ते न रोकें : बचाव दल को काम करने के लिए जगह दें।
- * खुद से बड़े पैमाने पर आग बुझाने की कोशिश न करें : तुरंत विशेषज्ञों (फायर ब्रिगेड) को बुलाएँ।

फायर इमरजेंसी हेल्पलाइन

101



उ०प्र० आपात सेवाएं

112



संदेश: घबराएँ नहीं – सोच-समझकर करें काम

आपदा समाचार

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (UP SDMA)

स्कूल सुरक्षा चक्र



Uttar Pradesh

State Disaster Management Authority (UP SDMA)

Address: B-1 Block, PICUP Bhawan, PICUP Building Road, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh, 226010

✉ upsdma@gmail.com ☎ 0522-2306882

For more information, visit our web at www.upsdma.up.nic.in